(ग) और (घ) सरकार का विचार लगातार अधिक से अधिक रोजगार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस योजना में आवश्यक सुधार लाने का है। इस संबंध में ब्यौरे आठवीं पंचवर्षीय योजना को अंतिम रूप दिए जाने के बाद तैयार किए जायेंगे।

Effect of Government's Indecision on the Performance of Public Sector undertaldDgK

*251. SHRI RAMDAS AGARWAL: CHARYA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether delay in Government's deciding the fate of Chief Executives in various public sector undertakings on the question of irregularities in in their appointment has led these public sector undertakings to suffer with inefficient and disgruntled ma nagements; and

(b) if so, what steps Government propose to take to safeguard the in terest of these public sector under takings?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI P. K. THUNGON): (a) No,

Sir.

(b) Does not arise.

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् द्वारा किया गया अनुसंधान कार्य

*250. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में औद्योगिक क्षेत्र में अनुसंधान कार्य करने के लिए वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् की स्थापना की गई है;

(ख) यदि हां, तो इस परिषद् की स्थापना किस वर्ष में की गई थी;

(ग) परिषद् का वर्तमान वार्षिक बजट कितना है;

(घ) क्या यह सच है कि इस परिषद् में 70 हजार से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें से 6 हजार वैज्ञानिक और तकनीशियन हैं तथा लगभग पर प्रयोगशालायें इसके अन्तर्गत कार्य करा रही है;

(ङ) यदि हां, तो वास्तविक स्थिति क्या है; और

(च) दिसम्बर, 1991 तक परिषद् ने किस-किस उद्योग के लिए कुल कितने शोध कार्य करने में सफलता प्राप्त की है

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट आल्वा) : (क) जी हां।

(ख) वर्ष 1942 में।

(ग) रु० 291.77 करोड़ (सी एस आई आर) के आन्तरिक संसाधनों द्वारा अर्जित रु० 30 करोड़ सहित।

(घ) और (ङ) वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सी एस आई आर) में लगभग 24,900 कर्मचारी हैं जिनमें में लगभग 6,000 वैज्ञानिक हैं। सी एस आई आर के अन्तर्गत कार्यरत प्रयोगशालाओं की संख्या चालीस (40) है।

(च) परिषद् ने छठी योजना के दौरान लगभग 215; सातवीं योजना के दौरान 190 और अप्रैल-दिसम्बर, 1991 की अवधि के दौरान लगभग 85 से अधिक प्रक्रमों/तकनीकी जानकारियों का, विकास किया। ये मुख्य रूप से पेट्रोलियम पेट्रो-रसायनों, औषधियों और भेषजीय, कृषिरसायनों, जैव-प्रौद्योगिकी, चमड़ा, कोयला, इलेक्ट्रोनिकी और यान्त्रिकरण (इंस्ट्रूमेंटेशन) के क्षेत्र में है।